राष्ट्रीय संस्करण

मुकेश अंबानी बोले– एक दशक के भीतर तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होगा भारत >>12

वर्ष 3 अंक 259

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 25 फरवरी 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 16

हमेशा रहेंगे भरोसेमंद दोस्त

- मोटेरा स्टेडियम में दिखी भारत-अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय रिश्तों की झलक
- दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक ट्रेड डील और बड़े रक्षा समझौते की तैयारी
- राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच आज होगी आधिकारिक वार्ता

अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम के दौरान एक लाख से ज्यादा लोग अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत करने और उन्हें सुनने के लिए जुटे। इस दौरान ट्रंप को गले लगाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रेट्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दो बड़े देश जब साझेदार बनते हैं तो हितों का टकराव सामान्य बात है लेकिन अहम बात यह है कि दोनों देशों के नेता रिश्तों को किस तरफ ले जाना चाहते हैं। सोमवार को अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दिखाया कि क्यों भारत और अमेरिका की दोस्ती को 21वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक रिश्ता माना जा रहा है। अपने पहले भारत दौरे पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह वादा किया कि अमेरिका हमेशा भारत का सच्चा दोस्त रहेगा। वहीं पीएम मोदी ने ट्रंप की यात्रा को भारत और अमेरिका के रिश्तों का नया अध्याय बताते हुए कहा कि दोनों देश सिर्फ रणनीतिक साझेदार ही नहीं हैं बल्कि यह रिश्ता इससे भी आगे का है। इस तरह दोनों नेताओं ने मंगलवार को नई दिल्ली में होने जा रही आधिकारिक स्तर की द्विपक्षीय वार्ता की जमीन तैयार कर दी है। माना जा रहा है कि जिस तरह 2015 में मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने द्विपक्षीय रिश्तों को नई दिशा दी, वैसे ही मोदी और ट्रंप की बैठक रिश्तों को नया आयाम देने जा रही है।

अहमदाबाद के खचाखच भरे मोटेरा स्टेडियम में ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत 'अमेरिका भारत को प्यार करता है' से की और अंत 'हम भारत को बहुत प्यार करते हैं' से किया। ट्रंप ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच लगभग आधे घंटे के भाषण में उन सभी मुद्दों को तो समेटा ही जिनकी उन्हें राजनीतिक या कूटनीतिक तौर पर दरकार है, साथ ही उन मुद्दों को भी शामिल किया जिन्हें लेकर भारत की अपनी चिंताएं हैं। ट्रंप ने इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूती से खड़े रहने का वादा कर यह भी जता दिया कि वह भारत की आशंकाओं से रूबरू हैं।

इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रवैया अपनाकर भारत को आश्वस्त किया कि अमेरिका इस लड़ाई में पूरी तरह साथ है। हालांकि ट्रंप ने पाकिस्तान पर सीधे तौर पर कोई निशाना नहीं लगाया। उन्होंने कहा, 'अमेरिका पाकिस्तान के साथ सकारात्मक रूप से कोशिश कर रहा है कि पाकिस्तानी सीमा पर सक्रिय आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई हो। हमारे रिश्ते पाकिस्तान के साथ अच्छे हैं।' जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में फिलहाल अमेरिका को पाकिस्तान की जरूरत है। इसी के साथ ट्रंप ने भारत से बड़ी जिम्मेदारी की आशा जताई। उन्होंने कहा, 'भारत को दक्षिण एशिया में समस्याओं के निराकरण और शांति के लिए बड़ी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।' माना जा रहा है कि दोनों देशों की तरफ से मंगलवार को जारी होने वाले संयुक्त बयान में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का खास जिक्र होगा। चीन का खुले तौर पर तो जिक्र नहीं हुआ लेकिन ट्रंप ने परोक्ष तौर पर यह जता दिया कि भारत उनके लिए अहम दोस्त है। ध्यान रहे कि चीन को लेकर भारत और अमेरिका दोनों सशंकित रहते हैं।

आजादी के बाद पिछले 70 वर्षों में भारतीय लोकतंत्र ने जो स्थान हासिल किया है उसे अभूतपूर्व करार देते हुए ट्रंप ने कहा कि विविधता में एकता की ऐसी मिसाल मुश्किल है। जिस तरह से सभी धर्मों के लोग यहां सद्भाव से रहते हैं और सैकड़ों भाषाएं बोलते हैं वह पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणा है। भारत के आर्थिक शक्ति बनने व एक संप्रभु राष्ट्र के तौर पर प्रगति करने को पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बताया और कहा कि यह मानवता के लिए उम्मीद की किरण है। ट्रंप ने मोदी काल में गरीबी उन्मूलन से लेकर उज्ज्वला योजना तक की कई उपलब्धियां गिनाईं और कहा कि भारत अगले 10 साल में गरीबी से मुक्त हो जाएगा। अगले कुछ वर्षों में यहां दुनिया का सबसे बड़ा मध्यम वर्ग होगा।

मोदी हैं टफ नेगोशिएटर: ट्रंप ने भारत-अमेरिका के बीच चल रही ट्रेड वार्ता का भी जिक्र किया और माना कि भारत के साथ इस मुद्दे पर बात करना आसान नहीं है। मोदी को एक कठिन वार्ताकार (टफ नेगोशिएटर) बताते हुए उन्होंने कहा, 'हम भारत के साथ एक शानदार ट्रेड समझौते पर बात शुरू कर चुके हैं जो दोनों देशों में निवेश करने को काफी आसान बना देगा। हम अभी तक का सबसे बड़ा ट्रेड समझौता करने जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि पीएम मोदी के साथ दोनों देशों को समान तौर पर फायदा पहुंचाने वाला समझौता करेंगे।' ट्रंप पहले भी मोदी को हार्ड बार्गेनर बता चुके हैं।

सैन्य समझौतों पर होगी बात: अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच तीन अरब डॉलर के हेलीकॉप्टर खरीद समझौते का जिक्र किया और कहा कि अमेरिका भारत का सबसे मजबूत सैन्य साझेदार बनना चाहता है और इस बारे में हम बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया में सबसे बेहतरीन हथियार व सैन्य उपकरण बनाता है और वे सभी उपकरण भारत को मुहैया कराने की पेशकश भी की।

सांस्कृतिक जुड़ाव की कोशिश: ट्रंप ने मोटेरा स्टेडियम में जुटे लोगों का दिल जीतने में भी कसर नहीं छोड़ी। स्वामी विवेकानंद से लेकर भारत की धार्मिक सद्भाव वाली जीवन पद्धति के जिक्र से उन्होंने सांस्कृतिक जुड़ाव दिखाया। बॉलीवुड की फिल्मों, सचिन तेंदुलकर जैसी क्रिकेट हस्ती और भांगड़ा का नाम लेने पर भी जमकर तालियां बजीं।

नमस्ते ट्रंप पेज>> 6-7

अमेरिकी राष्ट्रपति के बोल

- नमस्ते, यहां होना मेरे लिए सम्मान की बात
- हमेशा भारत के लिए निष्ठावान है अमेरिका
- भारत पूरी मानवता के लिए उम्मीद की किरण
- ऐसा धार्मिक सद्भाव कहीं नजर नहीं आता
- 10 साल में गरीबी से मुक्त हो जाएगा भारत
- इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे

ताज की खूबसूरती पर फिदा

आगरा में ताजमहल के संगमरमरी हुस्न को देख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व प्रथम महिला मेलानिया के चेहरे खिल गए। ट्रंप को ताज के दीदार की ललक निर्धारित कार्यक्रम से 40 मिनट पहले ही अहमदाबाद से आगरा खींच लाई। बाहर से ही ट्रंप को ताज की जो पहली झलक मिली, वह प्रेम के भाव में अंदर तक उतर गई। पेज 6

मोदी ने दिखाई ताकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर होम पिच पर दुनिया को अपनी ताकत का अहसास कराया। अमेरिका में जैसी धूम 'हाउडी मोदी' की थी, भारत में 'नमस्ते ट्रंप' भी उससे किसी मामले में कम नहीं दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पूरे आयोजन को सांस्कृतिक कूटनीति का जरिया बनाने में अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी। पेज 7

ऐसे बीता भारत में ट्रंप का पहला दिन

पत्नी मेलानिया ट्रंप, बेटी इवांका ट्रंप और दामाद जेरेड कुशनर के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विमान एयरफोर्स वन सुबह 11:40 पर अहमदाबाद एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरपोर्ट से मोदी और ट्रंप की कारों का काफिला साबरमती आश्रम से होते हुए मोटेरा स्टेडियम पहुंचा। यहां 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम में संबोधन के बाद ट्रंप सपरिवार ताज का दीदार करने आगरा पहुंचे। देर शाम ट्रंप दिल्ली आ गए। यहां वह आइटीसी मौर्या शेरेटन में ठहरे हैं।

'हम सिर्फ रणनीतिक साझेदार नहीं'

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप की यात्रा को भारत व अमेरिका के रिश्तों में नए युग की शुरुआत करार देते हुए कहा कि यह संबंध 21वीं सदी में दुनिया को दिशा देने वाला होगा। भारत-अमेरिका सिर्फ रणनीतिक साझेदार नहीं हैं, बल्कि यह संबंध बहुत बड़ा है। ट्रंप के अहमदाबाद पड़ाव की निगरानी व्यक्तिगत तौर पर कर रहे मोदी ने अपने मित्र राष्ट्रपति की उपलब्धियों को भी जमकर गिनाया। भाषण में ट्रंप की पत्नी मेलानिया, पुत्री इवांका ट्रंप व दामाद जेरेड कुशनर की उपलब्धियों का जिक्र करके शानदार मेजबानी का उदाहरण दिया। (पेज-6)

दोस्ती से बहुत कुछ हासिल करना है: हेली

वाशिंगटन: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने परिवार और अधिकारियों के साथ भारत के दो दिन दौरे पर है। उनके भारत के इस पहले दौरे पर सबकी निगाहें टिकी हैं। अमेरिका की वरिष्ठ राजनीतिज्ञ निक्की हेली ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोस्ती से बहुत कुछ हासिल करना है। रिपब्लिकन पार्टी की वरिष्ठ नेता हेली ने कहा कि उन्हें ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया के भारत दौरे पर गर्व है। निक्की हेली ट्रंप प्रशासन के पहले दो साल के दौरान संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत थीं। वह अमेरिका प्रशासन में कैबिनेट मंत्री का दर्जा पाने वाली भारतीय मूल की पहली अमेरिकी हैं। (पेज-6)

अंदर पढ़ें

'झारखंड में बाहरियों को आरक्षण नहीं'

रांची: झारखंड में अब किसी भी बाहरी राज्य के व्यक्ति को सरकारी नौकरी में आरक्षण नहीं मिलेगा। बिहार के एक याचिकाकर्ता की अपील पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाई कोर्ट की बड़ी पीठ ने बहुमत से अपना फैसला सुनाया है। (पेज-4)

मलेशिया के पीएम ने दिया इस्तीफा

कुआलालंपुर: मलेशिया के सत्तारूढ़ गठबंधन में उभरे मतभेद के बीच पीएम महातिर मुहम्मद ने इस्तीफा दे दिया। ऐसी अटकलें हैं कि उनकी पार्टी नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए पूर्व पीएम नजीब रजाक के दल के साथ वार्ता कर रही है। (पेज-13)

दैनिक जागरण हिंदी बेस्टसेलर
- कथा
- कथेतर
- अनुवाद
- कविता

जागरण हिंदी बेस्ट सेलर की अक्टूबर-दिसंबर 2019 की सूची जारी हो गई है। आज पेश है **कविता** श्रेणी में 10 बेस्ट सेलर पुस्तकें पेज 11

दिल्ली में और भड़की हिंसा, पांच की मौत

सीएए का विरोध ▶ उपद्रव के दौरान हेड कांस्टेबल शहीद, गोली लगने से गई चार की जान

डीसीपी सहित 12 पुलिसकर्मी जख्मी, 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भी घायल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) और एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) के विरोध और समर्थन में लोगों के आमने-सामने आ जाने के कारण रविवार को भड़की हिंसा ने सोमवार को सांप्रदायिक रूप ले लिया। पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में दिनभर पत्थरबाजी, आगजनी और गोलीबारी का दौर चलता रहा। उपद्रवियों के सामने पुलिस पूरी तरह से असहाय नजर आई। एक हवलदार शहीद हो गए, जबकि गोली लगने से चार लोगों की मौत हो गई। सौ से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। उपायुक्त समेत 12 पुलिसकर्मी भी घायल हैं। उपद्रवियों ने एक धार्मिक स्थल और पेट्रोल पंप सहित घरों व दुकानों में आग लगा दी गई। पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक घटना पर नजर बनाए हुए हैं। उपराज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उत्तर-पूर्वी जिले के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली की बोर्ड परीक्षाओं सहित अन्य वार्षिक परीक्षाएं टाल दी गई हैं।

जाफराबाद में सोमवार को नागरिकता संशोधन कानून विरोधियों और समर्थकों के बीच हिंसक झड़प के दौरान पिस्टल से फायर करता उपद्रवी। इसकी पहचान शाह रुख नाम के शख्स के रूप में हुई है। प्रेट्र

राजधानी के जाफराबाद, मौजपुर, चांद बाग, भजनपुरा, शेरपुर चौक सहित अन्य इलाकों में सोमवार सुबह 10:30 बजे से शुरू हुई हिंसा का दौर देर रात तक चलता रहा। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त अमित शर्मा पर उपद्रवियों ने हमला बोल दिया। उन्हें बचाने आए हेड कांस्टेबल रतन लाल पर पहले पत्थर बरसाए और फिर बुरी तरह पिटाई की। इससे वह शहीद हो गए। घायल पुलिसकर्मियों में कई की हालत गंभीर है। हिंसा के दौरान भजनपुरा में एक पेट्रोल पंप को आग के हवाले कर दिया गया। खजूरी में दो बंद स्कूलों में आग लगाई गई। इसके साथ 25 दुकानों और मकानों के अलावा 35 से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। चांद बाग में एक धार्मिक स्थल को भी आग लगा दी गई। कई दुकानों में तोड़फोड़ कर सामान भी लूटा गया है। कबीर नगर में पुलिसकर्मियों पर बोतलों में ज्वलनशील पदार्थ और मिर्च पाउडर भरकर फेंका गया। कई जगहों पर स्कूली बच्चे भी फंस गए। मौजपुर में पुलिस और सुरक्षाबलों की गाड़ियों से इन बच्चों को निकाला गया। पूरे दिन पुलिस पर उपद्रवी हावी रहे। आखिर शाम को दस थानाक्षेत्रों में धारा-144 लगा दी गई, लेकिन इसका भी कोई असर नहीं दिखा। देर शाम खजूरी और चांद बाग इलाके में बिजली बंद कर दी गई। गोकलपुर स्थित टायर मार्केट की कई दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। देर रात तक चांदबाग और नूर ए इलाही इलाके में दोनों तरफ से गोलीबारी होती रही। अस्पतालों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। घायलों में अधिकांश को गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जगप्रवेश चंद्र और मैक्स अस्पताल में भी कुछ लोग भर्ती कराए गए।

एंबुलेंस कर्मियों पर भी हुआ हमला: भजनपुरा इलाके में घायलों को अस्पताल ले रहे एंबुलेंस के स्टॉफ पर भी हमला हुआ। उपद्रवियों ने उनसे अभद्रता की और आग लगाने की धमकी दी। किसी तरह उन्होंने घायल किशोर को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया।

शाहीन बाग से जाफराबाद पहुंचे प्रदर्शनकारी: 72 दिनों से शाहीन बाग में चल रहे धरने में सोमवार को बमुश्किल 100 लोग दिखाई दिए। दरअसल, यहां धरने पर बैठे ज्यादातर लोग जाफराबाद पहुंच गए।

कड़ी कार्रवाई के लिए आदेश का इंतजार करती रही पुलिस पेज>>7

सुन्नी वक्फ बोर्ड को अयोध्या में पांच एकड़ भूमि स्वीकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मस्जिद के साथ चैरिटेबल अस्पताल और पब्लिक लाइब्रेरी भी बनेगी
- इंडो-इस्लामिक सभ्यता को प्रदर्शित करने वाला बनेगा केंद्र, ट्रस्ट करेगा संचालन

उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने सोमवार को लखनऊ में हुई अहम बैठक में अयोध्या में पांच एकड़ भूमि लेने का फैसला लिया है। यहां मस्जिद के साथ ही चैरिटेबल अस्पताल व पब्लिक लाइब्रेरी भी बनेगी। साथ ही समाज के सभी वर्गों के उपयोग में आने वाली अन्य सुविधाएं भी यहां विकसित की जाएंगी। पांच एकड़ भूमि में मस्जिद सहित अन्य गतिविधियां संचालित करने के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड एक ट्रस्ट भी गठित करेगा।

सुन्नी वक्फ बोर्ड की बैठक के बाद अध्यक्ष जुफर अहमद फारूकी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए दी जाने वाली पांच एकड़ भूमि हम स्वीकार करते हैं। उन्होंने बताया कि यहां मस्जिद निर्माण के अलावा एक ऐसा केंद्र स्थापित किया जाएगा, जो कई सदियों की इंडो-इस्लामिक सभ्यता को प्रदर्शित करेगा। साथ ही भारतीय और इस्लामिक सभ्यता के अन्वेषण एवं अध्ययन का भी एक केंद्र स्थापित किया जाएगा। अयोध्या में मस्जिद सहित अन्य गतिविधियों के निर्माण व संचालन के लिए जल्द ही एक ट्रस्ट गठित किया जाएगा। इस ट्रस्ट का नाम क्या होगा और इसमें कौन-कौन लोग शामिल होंगे, इसका निर्णय बाद में किया जाएगा। फारूकी ने बताया कि मस्जिद सहित अन्य निर्माण ट्रस्ट अपने संसाधनों से ही कराएगा। इसके लिए ट्रस्ट समाज से मदद भी ले सकेगा।

स्थानीय जरूरत के अनुसार बनेगी मस्जिद: फारूकी ने बताया कि अयोध्या में मस्जिद का निर्माण स्थानीय जरूरत के अनुसार होगा। पांच एकड़ भूमि में से कितने क्षेत्रफल में मस्जिद बनेगी, यह फैसला ट्रस्ट करेगा। उन्होंने बताया कि जो जमीन सुन्नी वक्फ बोर्ड को दी गई है, वह हर लिहाज से बेहतर है।

बोर्ड की बैठक में फारूकी सहित छह सदस्य शामिल हुए। इनमें अदनान फारूख शाह, जुनैद सिद्दीकी, सैयद अहमद अली खुशनूद मियां, अबरार अहमद व जुनीद अहमद हैं। अब्दुल रज्जाक खान और इमरान माबूद खान ने बैठक का बहिष्कार किया। इस बारे में फारूकी ने कहा कि ये दोनों सदस्य पहले भी बैठकों में नहीं आते रहे हैं। सोमवार को सभी छह सदस्यों ने सर्वसम्मति से फैसला किया है।

बोले ट्रंप

चाय वाले का प्रधानमंत्री बनना इस महान देश की असीम संभावनाओं को दर्शाता है, अमेरिकी राष्ट्रपति ने जमकर की मोदी की प्रशंसा, छह बार गले मिले, दिखी रिश्तों की गहराई

मोदी इसके प्रतीक कि भारतीयों के लिए कुछ भी असंभव नहीं

अहमदाबाद, प्रेट्र: मुलाकात का हाव-भाव यह बताने को काफी होता है कि मिलने वालों के रिश्ते में गहराई कितनी है। बात जब दो देशों की हो, तब रिश्तों की यह गहराई और भी ऊंचे मायने रखती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात कुछ ऐसा ही दृश्य बनाती है।

बाते चाहे अमेरिका में हुए 'हाउडी मोदी' की हो या अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रंप' की, दोनों नेताओं की मुलाकात हमेशा चर्चा का विषय रही है। अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में ट्रंप ने दिल खोलकर मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी ने एक चाय बेचने वाले से देश का प्रधानमंत्री बनने तक का सफर तय किया है। यह इस महान देश की असीम संभावनाओं को दर्शाता है। ट्रंप ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी, आप सिर्फ गुजरात का गौरव नहीं हैं। आप इस बात का जीता-जागता उदाहरण हैं कि कठिन परिश्रम और समर्पण के दम पर भारतीय कुछ भी हासिल कर सकते हैं। सब प्रधानमंत्री मोदी से बहुत प्रेम करते हैं।

अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दूसरे का हाथ पकड़कर भारत-अमेरिका की दोस्ती के अटूट होने का संदेश दिया। प्रेट्र

मैं बताना चाहता हूं कि मोदी बहुत दृढ़ इंसान हैं। वह हार्ड नेगोशिएटर भी हैं।' ट्रंप ने मोदी को बेहद सफल नेता बताते हुए लोकसभा चुनाव में मिली जबर्दस्त जीत का भी जिक्र किया। अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में एक लाख से ज्यादा लोग दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के मुखिया को देखने जुटे थे। इस दौरान दोनों नेताओं ने छह बार एक-दूसरे को गले लगाया। यह अपने-आप में बताने के लिए पर्याप्त है कि संबंध कितने मजबूत हैं। ट्रंप भारत में हुए स्वागत से भी अभिभूत दिखे। उन्होंने कहा, 'हम हमेशा इसे याद रखेंगे। हमारे दिल में भारत की खास जगह रहेगी।'

छू लिया लोगों का दिल: ट्रंप ने भारतीयों का दिल भी छूने की कोशिश की। उन्होंने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और शोले जैसी फिल्मों का जिक्र कर भारत से अपनी करीबी दिखाई। क्रिकेट की दुनिया के दिग्गज सचिन तेंदुलकर व विराट कोहली का नाम लेना और भांगड़ा पर सारी दुनिया के थिरकने की बात करना भी यह दिखा रहा थी कि ट्रंप खुद को भारतीयों से जोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

मोदी ने भी सराहा: मोदी ने भी ट्रंप को खूब सराहा। उन्होंने कहा, 'आपने स्वस्थ एवं प्रसन्न अमेरिका के लिए जो कुछ भी किया है, उसके अच्छे नतीजे दिख रहे हैं। आप बच्चों के लिए जो कर रहे हैं, वह प्रशंसनीय है।' मोदी ने सितंबर में अमेरिका में हुए 'हाउडी मोदी' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'इतिहास खुद को दोहरा रहा है। पांच महीने पहले मैंने 'हाउडी मोदी' से अमेरिका दौरे की शुरुआत की थी और आज मेरे दोस्त ट्रंप ने यहां 'नमस्ते ट्रंप' से अपने दौरे की शुरुआत की है।'

सार्वजनिक स्थल पर हो अपमान, तभी लागू होगा एससी-एसटी एक्ट

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुकदमे में रद की एससी-एसटी एक्ट की धारा

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि एससी-एसटी एक्ट के तहत कोई मामला तभी बनता है, जब अपमान सार्वजनिक स्थल पर किया गया हो। जिसे लोगों ने देखा हो। बंद कमरे में हुई घटना में एससी-एसटी एक्ट की धारा प्रभावी नहीं होती है, क्योंकि बंद कमरे में हुई बात कोई बाहरी नहीं सुन पाता। इसके चलते समाज में उसकी छवि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उप्र स्थित सोनभद्र के केपी ठाकुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति आरके गौतम ने दिया है। याची के अधिवक्ता सुनील कुमार त्रिपाठी का कहना था कि याची केपी ठाकुर खनन विभाग के अधिकारी हैं। खनन विभाग के कर्मचारी विनोद कुमार तनया जो इस मामले के शिकायतकर्ता हैं, उनके खिलाफ विभागीय जांच लंबित थी। इस सिलसिले में याची ने शिकायतकर्ता को अपने कार्यालय में साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए बुलाया था।

याची के अधिवक्ता का कहना था कि शिकायतकर्ता जांच में व्यवधान पैदा करने का आदी है। इस नीयत से उसने मारपीट, जान से मारने की धमकी व एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है। जिस समय घटना हुई, उस समय याची चैंबर के अंदर था। कोई बाहरी व्यक्ति नहीं था, जो घटना का साक्षी रहा हो। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में कहा है कि यदि घटना सार्वजनिक पर नहीं हुई है तो एक्ट के तहत अपराध नहीं बनता। कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार करते हुए याची के विरुद्ध लगाई गई एससी-एसटी एक्ट की धारा को रद कर दिया।